लापरवाही

सिर्फ कागजों पर दिख रहा जल गंगा संवर्धन अभियान, वार्ड नंबर 12 की ऐतिहासिक बावड़ी जमीनी हकीकत की खोल रही पोल

बदहाली के आंसू बहा रही ऐतिहासिक बावड़ी

मझौली, नवभारत, जबलपुर। प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'जल गंगा संवर्धन अभियान', जिसका उद्देश्य जल स्रोतों का पुनरुद्धार और संरक्षण है, मझौली नगर परिषद की लापरवाही की भेंट चढ़ता नजर आ रहा है। सरकारी दस्तावेजों में भले ही अभियान की सफलता के दावे किए जा रहे हों, लेकिन वार्ड नंबर 12 की ऐतिहासिक बावड़ी जमीनी हकीकत की पोल खोल रही है।

आज आलम यह है कि बावड़ी के भीतर कचरा और गाद जमा है, जिससे पानी पूरी तरह दूषित हो चुका है। वहीं नगर परिषद ने सफाई के नाम पर केवल खानापूर्ति की है, जिससे जल स्रोत दम तोड़ रहे हैं।

सिर्फ की जा रही दस्तावेजी खानापूर्ति

आरोप है कि बजट और योजना केवल फाइलों तक सीमित है, धरातल पर सुधार शून्य है। इस अभियान के तहत सरकार का लक्ष्य पुराने कुओं, बावड़ियों और तालाबों की सफाई कर उन्हें पुनर्जीवित करना था, ताकि जल संकट से निपटा जा सके। लेकिन मझौली नगर परिषद की कार्यशैली ने इस पवित्र उद्देश्य को ठंडे बस्ते में डाल दिया है। नगर परिषद की यह अनदेखी न केवल पर्यावरण के लिए खतरा है, बल्कि सरकार की योजनाओं की छवि को भी धूमिल कर रही है। अब देखना यह होगा कि प्रसन्न कुमार जैन द्वारा उठाए गए इस मुद्दे के बाद प्रशासन की नींद खुलती है या फिर यह बावड़ी इतिहास के पन्नों में दफन हो जाएगी।

प्रशासन की उदासीनता पर उठ रहे सवाल

जानकारों का कहना है कि यदि अभियान चल रहा है, तो वार्ड 12 की बावड़ी की स्थिति नरकीय क्यों है? नगर परिषद मझौली द्वारा जल स्रोतों के नाम पर आए बजट का उपयोग कहाँ किया गया? स्थानीय नागरिकों की शिकायतों के बाद भी जिम्मेदार अधिकारी मौन क्यों हैं? वार्ड नंबर 12 के निवासी और जागरूक नागरिक प्रसन्न कुमार जैन (बबलू जैन) ने प्रशासन की उदासीनता पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने बताया कि जिस बावड़ी को संवारने और संरक्षित करने के दावे किए जा रहे थे, वह आज गंदगी और उपेक्षा का शिकार है।

इनका कहना है

प्रशासन केवल फोटो खिंचवाने और कागजों में रिपोर्ट भरने तक सीमित है। जल गंगा संवर्धन अभियान के नाम पर जमीनी स्तर पर कोई काम नहीं हुआ है। हमारी धरोहर (बावड़ी) आज कचरे के ढेर में तब्दील हो रही है।

प्रसन्न कुमार जैन (बबलू)

प्रचण्ड गर्मी में प्यासे कंठ का सहारा बन रहा देशी फ्रिज

43 सेंटीग्रेट तापमान के बीच मटकों की बढ़ी मांग, कारीगरों के चेहरे खिले

नवभारत, बेलखाड़ू, जबलपुर। अप्रैल माह के अंतिम दिनों में पड़ रही भीषण गर्मी ने लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है। गांव में तापमान 43 डिग्री के आसपास पहुंचते ही लोग गर्मी से प्यासे कंठ को राहत पाने के सस्ते और प्राकृतिक उपाय खोज रहे हैं। ऐसे में एक बार फिर गला तर करने के संसाधनों में प्रमुखता से देशी फ्रिज यानी मटका और सुराही लोगों की पहली पसंद बन गए हैं।

इन दिनों बाजारों, चौक-चौराहों और गलियों में मिट्टी के मटकों की खूब बिक्री हो रही है। लोग बड़ी संख्या में मटका और सुराही खरीदते दिखाई दे रहे हैं। खासकर गरीब और मध्यम वर्ग के लिए यह सबसे सस्ता और भरोसेमंद साधन साबित हो रहा है। गांव में खासकर जो फ्रिज नहीं खरीद सकते उनके लिए सस्ता देशी फ्रिज यानि मटका फ्रिज के मुकाबले कम दाम के साथ स्थानीय स्तर पर उपलब्ध है।

कारीगरों के लिए कमाई का मौसम

भीषण गर्मी ने स्थानीय कुम्हारों और मिट्टी के बर्तन बनाने वाले कारीगरों के लिए खुशियों का समय है । बेलखाड़ू रामबाग क्षेत्र में बनने वाले देशी मटकों, सुराही , छोटी मटकी की मांग इतनी बढ़ गई है कि लोग सीधे कारीगरों के घर जाकर खरीद रहे हैं। कई महिलाएं घर-घर जाकर मटकों की बिक्री भी कर रही हैं। वर्तमान में एक मटके की कीमत 150 , 300 से 500 रुपये तक मिल रही है, जिससे स्थानीय कारीगरों की आय में अच्छी बढ़ोतरी हो रही है।

स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद

देशी मटके का पानी सिर्फ ठंडा ही नहीं बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी माना जाता है। मिट्टी के संपर्क में आने से पानी में प्राकृतिक मिनरल और पोषक तत्व मिल जाते हैं, जो शरीर को ठंडक देने के साथ पाचन और स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होते हैं।

पुरानी परंपरा फिर लौटी

तेज गर्मी के बीच लोगों का भरोसा फिर से पारंपरिक साधनों पर लौट आया है। बिजली और महंगे फ्रिज के दौर में भी देशी मटका अपनी उपयोगिता साबित कर रहा है और साथ ही स्थानीय कारीगरों की अर्थव्यवस्था को मजबूती दे रहा है। गर्मी में राहत भी, रोजगार भी यही है देशी फ्रिज की असली ठंडक।

एमडी ने की सागर क्षेत्र की समीक्षा, बिजली सेवाओं में सुधार पर जोर

राजस्व वसूली, स्मार्ट मीटर और लाइन विस्तार कार्यों पर दिए सख्त निर्देश

नवभारत,सागर। म.प्र. पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक अजय गुप्ता ने मकरोनिया स्थित विद्युत परिसर में सागर क्षेत्र के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में सागर, दमोह, छतरपुर, पन्ना और टीकमगढ़ के अधिकारियों ने भाग लिया।

मुख्य अभियंता देवेंद्र कुमार सहित अधीक्षण एवं कार्यपालन अभियंताओं की मौजूदगी में राजस्व वसूली, समाधान योजना, लाइन विस्तार, उपकेंद्र निर्माण, ट्रांसफार्मर फेल्योर, स्मार्ट मीटर स्थापना और विद्युत आपूर्ति से जुड़े मुद्दों की समीक्षा की गई।

एमडी ने राजस्व संग्रहण और बिलिंग दक्षता बढ़ाने के निर्देश दिए। साथ ही एटी एंड सी लॉसेस कम करने, ट्रांसफार्मरों का समय पर रखरखाव करने और विद्युत व्यवधान कम करने पर विशेष जोर दिया। बैठक में संजय भागवतकर, अशोक सिंह धुर्वे, संजय निगम, प्रशांत गुप्ता, अवनीश तिवारी, सागर शिशिर श्रीवास्तव, मो. आरिफ कुरैशी, नीरज कुचिया और डॉ. अरुण रावत सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

किसानों की समस्या का प्रशासन करें जल्द निराकरण

आम आदमी पार्टी ने किया गेहूं उपार्जन केंद्र का निरीक्षण

शहपुरा नवभारत 29 अप्रैल। आम आदमी पार्टी (आप) की जिला इकाई ने किसानों की समस्याओं को लेकर शहपुरा स्थित गेहूं उपार्जन केंद्र का औचक निरीक्षण किया।

इस दौरान पार्टी पदाधिकारियों ने किसानों से संवाद कर उनकी जमीनी समस्याओं को सुना और खरीदी की धीमी रफ्तार पर चिंता व्यक्त की। स्लॉट बुकिंग बनी किसानों की बड़ी मुसीबत निरीक्षण के दौरान किसानों ने सबसे बड़ी समस्या स्लॉट बुकिंग को लेकर बताई। किसानों का कहना है कि तकनीकी दिक्कतों और स्लॉट उपलब्ध न होने के कारण वे अपनी उपज समय

पर केंद्र तक नहीं ला पा रहे हैं। कई किसान दिनों से पोर्टल खुलने का इंतजार कर रहे हैं, जिससे उनकी फसल कटने के बाद भी खेतों या घरों में असुरक्षित रखी है। केंद्र से प्राप्त जानकारी के अनुसार, शहपुरा उपार्जन केंद्र में अब तक कुल 804 किसानों का पंजीयन हुआ है। हालांकि, बीते 15 दिनों में केवल 4500 क्विंटल गेहूं की ही खरीदी हो सकी है।

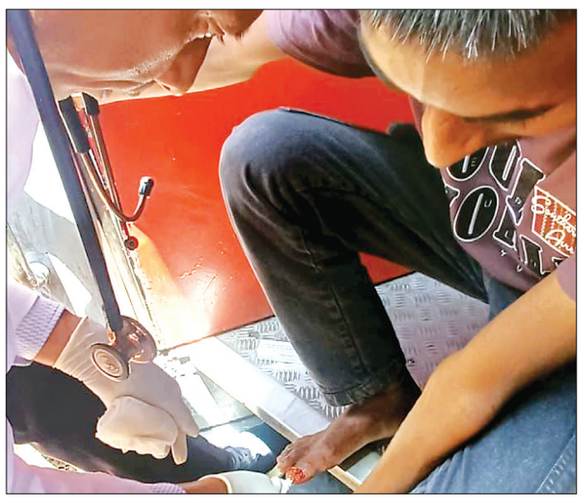

घायल यात्री को रेलवे चिकित्सक द्वारा दिया गया उपचार

जबलपुर, नवभारत। पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर मंडल के अंतर्गत नरसिंहपुर स्टेशन में 29 अप्रैल बुधवार को एक यात्री को समय पर चिकित्सीय सहायता प्रदान कर उसकी स्थिति को नियंत्रित किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार ट्रेन संख्या 12577 बागमती एक्सप्रेस में यात्रा कर रहे यात्री रामलाल 22 वर्ष कोच संख्या एस-4 की सीट संख्या 1 जो बरौनी, बिहार से बेंगलुरु की यात्रा पर थे, को यात्रा के दौरान पैर के अंगूठे में गंभीर चोट लग गई, जिससे अत्यधिक रक्तस्राव हो रहा था। इस संबंध में डिप्टी स्टेशन सुपरिटेंडेंट (कमर्शियल), नरसिंहपुर को सूचना प्राप्त हुई। ट्रेन के नरसिंहपुर स्टेशन पहुंचते ही रेलवे अस्पताल के चिकित्सक डॉ. आर.आर. कुर्रे द्वारा तत्काल कार्रवाई करते हुए घायल यात्री का प्राथमिक उपचार (ड्रेसिंग) किया गया एवं आवश्यक दवाइयां प्रदान की गईं। समय पर किए गए उपचार से यात्री की स्थिति को स्थिर किया गया।

गेट पर बैठा था यात्री

पूछताछ के दौरान यात्री ने बताया कि चलती ट्रेन के गेट पर बैठकर यात्रा करने के कारण यह दुर्घटना हुई। इस पर रेलवे चिकित्सक द्वारा यात्रियों को सलाह दी गई कि इस प्रकार की लापरवाही जानलेवा साबित हो सकती है, अत: किसी भी परिस्थिति में चलती ट्रेन के दरवाजे पर बैठकर यात्रा न करें और न ही चढ़ने-उतरने का प्रयास करें। इसके साथ ही ग्रीष्मकाल को ध्यान में रखते हुए यात्रियों को लू एवं सन स्ट्रोक से बचाव हेतु पर्याप्त पानी, ओआरएस, शिकंजी, जीरा पानी एवं नारियल पानी का सेवन करने की सलाह दी गई।

जीजा ने दुकान पहुंचकर साले से विवाद कर की मारपीट

पुलिस चौकी पहुंचा मामला, की गई शिकायत

अमरपुर नवभारत 29 अप्रैल। पुलिस चौकी अमरपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम चौरा रैयत ग्राम पंचायत भाखा माल में जीजा और साले का विवाद सामने आया है। जीजा ने साले की दुकान में पहुंचकर मारपीट की। जानकारी के अनुसार पुलिस चौकी अमरपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम चौरा रैयत ग्राम पंचायत भाखा माल निवासी कृष्णा कन्हैया ठाकुर ने पुलिस चौकी अमरपुर में 27 अप्रैल को

शिकायत दर्ज कराई कि मेरी बड़ी बहन शांति बाई का विवाह लाल सिंह ठाकुर के साथ 12 वर्ष पूर्व हुआ था। शादी के कुछ दिनों बाद जीजा लाल सिंह ठाकुर द्वारा बहन शांति बाई को शराब पीकर मारता पीटता हैं, जिससे मेरे माता पिता सहित मेरा पूरा परिवार परेशान हैं।

बहन के साथ मारपीट करता है जीजा-मुझे विगत 19 अप्रैल रविवार को लगभग 11 बजे फोन से जानकारी मिली कि बहन को जीजा लाल सिंह ठाकुर ने मारपीट कर खून से लथपथ कर दिया हैं। मैं जब ग्राम कोकोमटा गया और देखा तो बहन खून से लथपथ थी। इसकी शिकायत मेरी बहन और मैंने समनापुर थाना में दर्ज की हैं। शिकायत उपरांत मेरा जीजा आक्रोश में आकर मुझे जान से मारने की लगातार धमकी दे रहा हैं। कभी भी मेरे या मेरे परिवार के साथ अप्रिय घटना घट सकती हैं।

कानूनी कार्यवाही की मांग की-आवेदक द्वारा घटना से पहले कानूनी कार्यवाही का मांग की गई हैं। साथ ही बताया कि ग्राम कोकोमटा में मेरा ससुराल होने के कारण मेरा आना जाना रहता हैं। मेरा जीजा शराब पीने का आदी हैं। यदि समय में कोई कार्यवाही नहीं होती तो मेरे दुकान एवं रास्ते में कही भी मेरा या मेरे परिवार के साथ कोई भी घटना हो सकती हैं, जिसकी सम्पूर्ण जबाबदारी शासन प्रशासन की होगी।

शिकायत के बावजूद नहीं की कार्यवाही-शिकायत के बाबजूद अब तक कोई कठोर कार्यवाही नहीं होने के कारण लाल सिंह ठाकुर का हौसला बुलंद होते जा रहा हैं। विगत दिवस साप्ताहिक बाजार को लालसिंह ठाकुर मेरे दुकान में आकर गाली गलौज व मारपीट की। मौके में उपस्थित लोगों ने बीच-बचाव कर लाल सिंह ठाकुर को भगाया गया। इस तरह से लाल सिंह ठाकुर से खतरा बढ़ते जा रहा हैं। आवेदक की मांग हैं कि मामले की जांच कर उचित कार्यवाही की जाएं।

टीबी के खिलाफ चलाया गया जागरूकता अभियान

नरसिंहपुर, नवभारत। जबलपुर रेल मंडल के नरसिंहपुर के रेलवे हॉस्पिटल में बुधवार 29 अप्रैल को टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत एक जागरूकता और स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर में रेलवे डॉक्टर आर.आर. कुर्रे के मार्गदर्शन में स्क्रीनिंग और स्वास्थ्य परीक्षण किए गए। शिविर में लोगों को टीबी (क्षय रोग) के लक्षण, जांच, इलाज और रोकथाम के बारे में जागरूक किया गया। डॉक्टर ने बताया कि कुपोषण, एड्स, कैंसर, धूम्रपान करने वाले और कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले व्यक्तियों में टीबी का खतरा अधिक होता है। शिविर में कुल 34 लोगों का चेकप किया और 21 लोगों को दवाइयां दी गई।

कराएं टीबी का इलाज

डॉक्टर ने जोर देकर कहा कि टीबी को छिपाने के बजाय समय पर उसका इलाज कराना महत्वपूर्ण है। उन्होंने लोगों से अपील की कि टीबी मुक्त भारत अभियान को सफल बनाने के लिए स्वयं जागरूक रहें और दूसरों को भी प्रेरित करें। डॉक्टर ने यह भी बताया कि टीबी की शीघ्र पहचान, पौष्टिक आहार और समय पर पूरा इलाज अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समय पर सही इलाज न मिले तो टीबी मल्टी ड्रग रेजिस्टेंट (एमडीआर) रूप में बदल सकती है, जिससे इलाज और अधिक जटिल हो जाता है। कार्यक्रम का समापन टीबी को छिपाने के बजाय उसका सामना करने और समय पर इलाज कराने के संदेश के साथ हुआ, ताकि देश को टीबी मुक्त बनाया जा सके।

उदासीनता

प्रशासन की लाख सख्ती और 'सर्जिकल स्ट्राइक' जैसी कार्रवाई भी हो रही बेअसर

मझौली में बेखौफ संचालित हो रहे अवैध क्लीनिक

मझौली, नवभारत, जबलपुर। नगर की गलियों से लेकर मुख्य मार्गों तक, बिना किसी वैधानिक अनुमति के चल रहे ये दवाखाने न केवल कानून को ठेंगा दिखा रहे हैं, बल्कि आम जनता की सेहत के साथ भी खिलवाड़ कर रहे हैं।

मझौली के बचैया रोड सहित विभिन्न क्षेत्रों में संचालित हो रहे इन क्लीनिकों के पास न तो मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जबलपुर का स्वीकृति पत्र है और न ही बायो-मेडिकल वेस्ट (कचरा निस्तारण) के लिए कोई उचित प्रबंध।

इन पर उठ रहे हैं सवाल

सुभाष सराफ, कमलेश श्रीवास, ए. विश्वास इन संचालकों द्वारा बेखौफ होकर क्लिनिक संचालित किए जा रहे हैं, जो सीधे तौर पर प्रशासन की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिह्न लगाता है। जबकि नियम अनुसार किसी भी क्लिनिक के संचालन के लिए कचरा निस्तारण का प्रमाण पत्र अनिवार्य है। संक्रमित सुइयां, कॉटन और दवाइयों का कचरा अगर खुले में फेंका जाए, तो यह महामारी का कारण बन सकता है। इसके बावजूद, इन केंद्रों पर सुरक्षा मानकों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं।

नगर में चर्चा का विषय यह है कि जब पूर्व में इन पर कार्रवाई की गई, तो फिर ये दोबारा किसके संरक्षण में फल-फूल रहे हैं? लोगों के मन में यह सवाल उठ रहा है कि बिना डॉक्टरी डिग्री या रजिस्ट्रेशन के क्या प्रैक्टिस करना संभव है वहीं इन क्लीनिकों में निस्तारण की कोई व्यवस्था नहीं होने से प्रदूषण का खबरा बढ़ रहा इसके लिए प्रशासन क्यों नहीं ध्यान दे रहा। वहीं इन अवैध क्लीनिकों पर प्रशासनिक कार्रवाई के बाद दोबारा मॉनिटरिंग क्यों नहीं की जाती। अब देखना यह होगा कि स्वास्थ्य विभाग और स्थानीय प्रशासन इन रसूखदार 'झोलाछापों' पर कब लगाम कसता है, या फिर जनता की जान इसी तरह दांव पर लगी रहेगी।

इनका कहना है

इनका कहना है
प्रशासन की कार्रवाई महज कागजी खानापूर्ति नजर आ रही है। अगर ठोस एक्शन लिया गया होता, तो बिना अनुमति के ये दवाखाने दोबारा खुलने की हिम्मत नहीं करते।

शिवम, स्थानीय नागरिक